बीपीएसएमवी की छात्राओं ने किया हड़प्पा कालीन पुरातत्व स्थल राखीगढ़ी का शैक्षणिक भ्रमण

खानपुर कलां,चेतना संवाददाता। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की छात्राओं के दल ने शैक्षणिक भ्रमण पर पुरातत्व स्थल राखीगढ़ी एवं ऐतिहासिक नगरी हिसार की विजिट की। महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने इस शैक्षणिक भ्रमण के आयोजन की सराहना करते हुए विभागीय टीम को बधाई दी और कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्राओं के शैक्षणिक व बौद्धिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सामान्य ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ इस प्रकार की ऐतिहासिक जानकारी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए भी महत्वपूर्ण है।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Sonipat - 12 Mar 2024 - Page 4

शैक्षणिक व बौद्धिक विकास के लिए शैक्षणिक भ्रमण जरूरी : प्रो. सुदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की छात्राएं शैक्षणिक भ्रमण पर हिसार में पुरातत्व स्थल राखीगढ़ी गई और वहां के इतिहास के बारे में जाना। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि छात्राओं के शैक्षणिक व बौद्धिक विकास के लिए ऐसे शैक्षणिक भ्रमण जरूरी हैं। सामान्य ज्ञान में वृद्धि के साथ इस प्रकार की ऐतिहासिक जानकारी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए भी महत्वपूर्ण है। विभाग की अध्यक्ष डा. अर्चना मलिक के साथ डा. पिंकी, डा. सुमेर और 22 छात्राएं राखीगढ़ी गईं।

सन 1354 में सुल्तान फिरोजशाह तुगलक द्वारा बसाए गए हिसार-ए-फिरोजा में फिरोजशाह का महल, लाट की मस्जिद,

गोहाना। शैक्षणिक भ्रमण पर पहुंची हुई छात्राएं।

दीवान-ए-आम, गूजरी महल, जहाज कोठी म्यूजियम की यात्रा करके इनके इतिहास और वास्तुकला की जानकारी प्राप्त की। इसके बाद छात्राएं सिंधु सभ्यता के प्राचीन पुरातत्व स्थलों में से एक राखीगढ़ी में मौजूद टीलों पर गईं। छात्राओं ने यहां से खुदाई में प्राप्त हड़प्पा कालीन एवं परिपक्व हड़प्पा कालीन मानव कंकाल, सुरक्षा दीवारों, ईंटों और पुरातात्विक अवशेषों के संरक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

Skyscanner
Bengaluru to Mumbai
from Rs4,448
Info

Hindi News

बीपीएसएमवी की छात्राओं ने किया हड़प्पा कालीन पुरातत्व स्थल राखीगढ़ी का शैक्षणिक भ्रमण

Girish Saini Mar 11, 2024 10:18 0

Facebook Twitter

HAMPTON HOMES
BUILDING AN AFFORDABLE TOMORROW
300+ FAMILIES STRONG

खानपुर कलां, गिरीश सैनी। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की छात्राओं के दल ने शैक्षणिक भ्रमण पर पुरातत्व स्थल राखीगढ़ी एवं ऐतिहासिक नगरी हिसार की विजिट की।

महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने इस शैक्षणिक भ्रमण के आयोजन की सराहना करते हुए विभागीय टीम को बधाई दी और कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्राओं के शैक्षणिक व बौद्धिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सामान्य ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ इस प्रकार की ऐतिहासिक जानकारी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए भी महत्वपूर्ण है।

इतिहास एवं पुरातत्व विभागाध्यक्षा डॉ अर्चना मलिक ने बताया कि 22 छात्राओं के इस दल ने विभाग के प्राध्यापक डॉ पिंकी एवं डॉ सुमेर के नेतृत्व में सन 1354 में सुल्तान फिरोजशाह तुगलक द्वारा बसाये गए हिसार-ए-फिरोजा में फिरोजशाह का महल, लाट की मस्जिद, दीवान-ए-आम, गुजरी महल, जहाज कोठी म्यूजियम की विजिट कर इनके इतिहास तथा वास्तुकला की जानकारी प्राप्त की। तत्पश्चात छात्राओं के दल ने सिंधु सभ्यता के प्राचीन पुरातत्व स्थलों में से एक राखीगढ़ी में मौजूद टीलों की विजिट की। छात्राओं ने यहां से खुदाई में प्राप्त हड़प्पा कालीन एवं परिपक्व हड़प्पा कालीन 4600 वर्ष पुराने मानव कंकाल, सुरक्षा दीवारों, ईंटों, पुरावशेष व पुरातात्विक अवशेषों के संरक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

Tags: BPSMV students | educational tour | Harappan period archaeological site Rakhigarhi

‹ PREVIOUS ARTICLE
फाइनेंशियल एंड लीगल लिटरेसी तथा जेंडर सेंसटाइजेशन पर विस्तार व्याख्यान आयोजित

NEXT ARTICLE ›
गुजवि में फोटोनिक्स एंड मैटेरियल साइंस विषयक नेशनल कॉन्फ्रेंस 14-15 मार्च को

WHAT'S YOUR REACTION?

LIKE	LOVE	FUNNY	ANGRY	SAD	WOW
0	0	0	0	0	0

RELATED POSTS

हमारा मुकाबला किसी राजनीतिक दल से नहीं बल्कि बेशुमार पैसों...

राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में लेक्चर सीरीज तथा मैथेमेटिकल...

एमडीयू में त्रैमासिक योग ट्रेनिंग प्रोग्राम आज से

COMMENTS

Name
Email
Comment
I'm not a robot
Post Comment

TUESDAY 12TH OF MARCH 2024 10:30:12 AM

FLAT 33% OFF ULTIMATE PAYDAY Savings
Upgrade Your Lifestyle with ESSENTIAL NUTRIENTS

POPULAR POSTS
Weekly Posts
ਏਅਰਪੋਰਟ ਯਾਤਰਾ ਵਿਚੋਂ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਰਾਹਤ ਵਿੱਚ ਨਿਰਮਾਣਾਂ ਦੀ ਭੂਮਿਕਾ 'ਤੇ...
Arrests over pro-Pak slogans: No question of embarrassment...
BJP worker murder case: K'taka Police arrest three, detain...
Want to offer 'sashtanga namaskara' to Supreme Court, says...
5 caffeine-free ways to boost energy naturally

MITSUBISHI ELECTRIC
Mitsubishi Electric - Driving Mobility
LEARN MORE →

FOLLOW US
Facebook Twitter Pinterest Linkedin Youtube Email

RECOMMENDED POSTS
Opinion
FairPoint: Credibility deficit stymies Rahul's new guarantee...
Training aircraft crashes at Guna airstrip in MP, woman...
5 caffeine-free ways to boost energy naturally
For the adventurous woman solo travelling
IANS Interview: PM Modi has ensured there's no 'jugaad'...
'Farmers first' policy is Modi govt's resolve to boost...

CONTACT US

For advertisement, news, article, feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation

राखीगढ़ी के पुरातत्व स्थल को देखने पहुंचीं बी.पी.एस. की छात्राएं

गोहाना मुद्रिका, 11 मार्च : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की छात्राओं के दल ने शैक्षणिक भ्रमण पर पुरातत्व स्थल राखीगढ़ी एवं ऐतिहासिक नगरी हिसार की विजिट की।

इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की अध्यक्ष डॉ अर्चना मलिक ने बताया कि 22 छात्राओं के इस दल ने विभाग के प्राध्यापक डॉ. पिंकी एवं डॉ सुमेर के नेतृत्व में सन 1354 में सुल्तान फिरोजशाह तुगलक द्वारा बसाये गए हिसार-ए-फिरोजा में फिरोजशाह का महल, लाट की मस्जिद, दीवान-ए-आम, गूजरी महल, जहाज कोठी म्यूजियम की विजिट कर इनके इतिहास तथा वास्तुकला की जानकारी प्राप्त की।

छात्राओं के दल ने सिंधु सभ्यता के प्राचीन पुरातत्व स्थलों में से एक राखीगढ़ी में मौजूद टीलों की विजिट की। छात्राओं ने यहां से खुदाई में प्राप्त हड़प्पा कालीन एवं परिपक्व हड़प्पा कालीन 4600 वर्ष पुराने मानव कंकाल, सुरक्षा दीवारों, ईंटों, पुरावशेष व पुरातात्विक अवशेषों के संरक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। वी.सी. प्रो सुदेश ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्राओं के शैक्षणिक व बौद्धिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सामान्य ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ इस प्रकार की ऐतिहासिक जानकारी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए भी महत्वपूर्ण है।

पंजाब केसरी
TUE, 12 MARCH 2024
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 4

राखीगढ़ी के पुरातत्व स्थल पर महिला विश्वविद्यालय की छात्राएं। (अरोड़ा)

राखीगढ़ी के पुरातत्व स्थल को देखने पहुंचीं बी.पी.एस. की छात्राएं

गोहाना, 11 मार्च (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की छात्राओं के दल ने शैक्षणिक भ्रमण पर पुरातत्व स्थल राखीगढ़ी एवं ऐतिहासिक नगरी हिसार की विजिट की।

इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की अध्यक्ष डॉ. अर्चना मलिक ने बताया कि 22 छात्राओं के इस दल ने विभाग के प्राध्यापक डॉ. पिंकी एवं डॉ. सुमेर के नेतृत्व में सन् 1354 में सुल्तान फिरोजशाह तुगलक द्वारा बसाए गए हिसार-ए-फिरोजा में फिरोजशाह का महल, लाट की मस्जिद, दीवान-ए-आम, गूजरी महल, जहाज कोठी म्यूजियम की विजिट कर इनके इतिहास तथा वास्तुकला की जानकारी प्राप्त की।

छात्राओं के दल ने सिंधु सभ्यता के प्राचीन पुरातत्व स्थलों में से एक राखीगढ़ी में मौजूद टीलों की विजिट की। छात्राओं ने यहां से खुदाई में प्राप्त हड़प्पा कालीन एवं परिपक्व हड़प्पा कालीन 4600 वर्ष पुराने मानव कंकाल, सुरक्षा दीवारों, ईंटों, पुरावशेष व पुरातात्विक अवशेषों के संरक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

वी.सी. प्रो सुदेश ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्राओं के शैक्षणिक व बौद्धिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। सामान्य ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ इस प्रकार की ऐतिहासिक जानकारी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए भी महत्वपूर्ण है।

8:39
Epaper
epaper.ajitsamachar.com

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की छात्राओं का दल।

इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की छात्राओं ने किया शैक्षणिक भ्रमण

गोहाना, 11 मार्च (रामनिवास धीमान): उपमंडल के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की छात्राओं के दल ने शैक्षणिक भ्रमण पर पुरातत्व स्थल राखीगढ़ी एवं ऐतिहासिक नगरी हिसार की विजिट की। महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्राओं के शैक्षणिक व बौद्धिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सामान्य ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ इस प्रकार की ऐतिहासिक जानकारी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए भी महत्वपूर्ण है। इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की अध्यक्ष डॉ. अर्चना मलिक ने बताया कि 22 छात्राओं के इस दल ने विभाग के प्राध्यापक डॉ. पिंकी एवं डॉ. सुमेर के नेतृत्व में सन 1354 में सुल्तान फिरोजशाह तुगलक द्वारा बसाये गए हिसार-ए-फिरोजा में फिरोजशाह का महल, लाट की मस्जिद, दीवान-ए-आम, गूजरी महल, जहाज कोठी म्यूजियम की विजिट कर इनके इतिहास तथा वास्तुकला की जानकारी प्राप्त की। तत्पश्चात छात्राओं के दल ने सिंधु सभ्यता के प्राचीन पुरातत्व स्थलों में से एक राखीगढ़ी में मौजूद टीलों की विजिट की।

बीपीएस महिला विवि की छात्राओं ने किया पुरातत्व स्थल का शैक्षणिक भ्रमण

भास्कर न्यूज | गोहाना

बीपीएस महिला विवि के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की छात्राओं के दल ने पुरातत्व स्थल राखीगढ़ी व ऐतिहासिक नगरी हिसार का सोमवार को शैक्षणिक भ्रमण किया। विभाग की अध्यक्ष डॉ. अर्चना मलिक ने बताया कि 22 छात्राओं के दल ने प्राध्यापक डॉ. पिंकी व डॉ. सुमेर के नेतृत्व में वर्ष-1354 में सुल्तान फिरोजशाह तुगलक द्वारा बसाए गए हिसार-ए-फिरोजा में फिरोजशाह का महल, लाट की मस्जिद, दीवान-ए-आम, गुजरी महल, जहाज कोठी म्यूजियम की का भ्रमण करके उनके इतिहास और वास्तुकला की जानकारी प्राप्त की। डॉ. अर्चना मलिक के अनुसार छात्राओं ने सिंधु सभ्यता के प्राचीन पुरातत्व स्थलों में से राखीगढ़ी में मौजूद टीलों का भी भ्रमण किया। छात्राओं ने यहां से खुदाई में प्राप्त हड़प्पा कालीन एवं परिपक्व हड़प्पा कालीन 4600 वर्ष पुराने मानव कंकाल, सुरक्षा दीवारों, ईंटों, पुरावशेष व पुरातात्विक अवशेषों के संरक्षण की जानकारी प्राप्त की। इस पर कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन छात्राओं के शैक्षणिक व बौद्धिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। इससे छात्राओं के सामान्य ज्ञान में वृद्धि होती है। इसके साथ ही उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने में भी आसानी होती है।

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान छात्राओं का दल व प्राध्यापक।

बीपीएस महिला विवि में छात्राओं को जल्द मिलेगी आधुनिक सेंट्रल लाइब्रेरी की सौगात

तीन मंजिला होगी इमारत, एक साथ एक हजार छात्राओं के बैठने की होगी सुविधा, किताबों के अलावा वाई-फाई भी मिलेगा

भास्कर न्यूज | गोहाना

बीपीएस महिला विवि में शिक्षा ग्रहण करने वाली छात्राओं को जल्द ही आधुनिक सेंट्रल लाइब्रेरी की सौगात मिलेगी। करीब चार साल से बंद पड़े निर्माण को शुरू कराने के लिए विवि प्रशासन ने पीडब्ल्यूडी व निर्माण एजेंसी के विवाद का सुलह होने पर प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए उन्होंने पीडब्ल्यूडी को पत्र भी लिखा है। अधिकारियों के अनुसार जल्द ही लाइब्रेरी का निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। ताकि छात्राओं को उसका लाभ मिल सके।

खानपुर कलां गांव स्थित बीपीएस महिला विवि में हर साल करीब 3 हजार छात्राओं का प्रवेश होता है। इस सत्र में करीब 7000 छात्राएं हैं। विवि में लाइब्रेरी है, उसका भवन बहुत पुराना है। इसके चलते 2016 में आधुनिक सेंट्रल लाइब्रेरी की बहुमंजिला इमारत बनाने का कार्य पीडब्ल्यूडी को दिया था। पीडब्ल्यूडी ने जिस एजेंसी को ठेका दिया था, उसने 2020 में बजट अभाव में आगे का काम बंद कर दिया। एजेंसी व पीडब्ल्यूडी का समय अनुसार सामान का रेट बढ़ने पर बजट का विवाद था। इसके चलते बीते करीब चार साल से लाइब्रेरी का निर्माण अटका हुआ है। विवि प्रशासन ने बीते दिनों सरकार से पत्राचार करके पीडब्ल्यूडी व एजेंसी के बीच सुलह करा दिया था। इसी के तहत अब विवि प्रशासन ने पीडब्ल्यूडी से पत्राचार करके लाइब्रेरी के निर्माण को लेकर जानकारी देने को कहा है, ताकि जल्द इसका निर्माण करा छात्राओं को उसकी सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

महिला विवि में निर्माण के अभाव में सेंट्रल लाइब्रेरी की बिल्डिंग।

लाइब्रेरी के भवन में बनेंगे तीन तल

महिला विवि परिसर में सेंट्रल लाइब्रेरी का निर्माण कराने के लिए 3350 वर्ग मीटर जगह चयनित की गई है। इसकी मंजिल का निर्माण भी हो चुका है। अब भवन का अंतिम कार्य आधुनिक तकनीक से होना है। इसके लिए भवन में तीन तल बनाए जाएंगे। इसमें एक साथ 1 हजार छात्राओं के बैठने की व्यवस्था होगी। इसके साथ ही लाइब्रेरी में छात्राओं को किताबें पढ़ने के अलावा वाई-फाई की सुविधा भी मिलेगी।

लाइब्रेरी से निर्माण को लेकर पीडब्ल्यूडी को लिखा पत्र : विकास बीपीएस महिला विवि में सेंट्रल लाइब्रेरी का निर्माण कार्य पूरा कराया जाना है। इसको लेकर पीडब्ल्यूडी व एजेंसी में सुलह होने की जानकारी अभी लिखित में नहीं आई है। इसी के तहत पीडब्ल्यूडी को पत्र लिखा गया है। इसमें विभाग को लाइब्रेरी का निर्माण कराने या उन्हें हैंडओवर करने को कहा गया है। इस पर विभाग के अधिकारियों ने जल्द लाइब्रेरी का निर्माण शुरू कराने का आश्वासन भी दिया है। विकास दहिया, एक्सईएन, बीपीएस महिला विवि, खानपुर कलां।

छात्राओं ने पुरातत्व स्थल राखीगढ़ी को जाना

छात्राएं पुरातत्व स्थल राखीगढ़ी में अपने शिक्षकों के साथ ● सौ. विश्वविद्यालय

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की छात्राएं शैक्षणिक भ्रमण पर एतिहासिक नगरी हिसार और पुरातत्व स्थल राखीगढ़ी गई और वहां के इतिहास के बारे में जाना। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि छात्राओं के शैक्षणिक व बौद्धिक विकास के लिए ऐसे शैक्षणिक भ्रमण जरूरी हैं। विभाग की अध्यक्ष डा. अर्चना मलिक के साथ डा. पिंकी, डा. सुमेर और 22 छात्राएं राखीगढ़ी गईं। सन 1354 में सुल्तान फिरोजशाह तुगलक द्वारा बसाए गए हिसार-ए-फिरोजा में फिरोजशाह का महल, लाट की मस्जिद, दीवान-ए-आम, गूजरी महल, जहाज कोठी म्यूजियम की यात्रा करके इनके इतिहास की जानकारी प्राप्त की। सिंधु सभ्यता के प्राचीन पुरातत्व स्थलों में से एक राखीगढ़ी में मौजूद टीलों पर गईं।